राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 303 | जौनपुर | सोमवार, 23 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

अधिक संख्या मे लाभ उठाये दिव्यांग चिन्हांकन शिविर मे दिव्यांग बच्चे – डीएम

अयोध्या |शासन के निर्देश पर जिले के सभी ब्लाकों पर दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन व उनके पुनर्वासन हेतु शिविरों का आयोजन जिला दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा 1 जुलाई से 23 जुलाई के बीच सभी विकास खंडों में किया गया है |यह जानकारी जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने दी |उन्होंने बताया कि 1 जुलाई को मसौधा, 2 जुलाई को पूरा बाजार, 3 जुलाई को मयाबाजार, 8 जुलाई को सोहावल, 9 जुलाई को बीकापुर,10 जुलाई को मिल्कीपुर, 15 जुलाई को तारुन, 16 जुलाई को रुदौली,17 जुलाई को मवई, 22 जुलाई को हरिटनगंज तथा 23 जुलाई को अमानीगंज विकासखंड में प्रातः 11 बजे से 3.30 बजे तक चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

गुरुग्राम में दिल्ली–जयपुर राजमार्ग पर बस पलटने से पुलिसकर्मी की मौत

जयपुर, (एजेंसी)। गुरुग्राम में दिल्ली–जयपुर राजमार्ग पर शनिवार सुबह बस पलटने से दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की मौत हो गई और 20 से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली से यात्रियों को लेकर आ रही राजस्थान परिवहन निगम की बस दिल्ली–जयपुर राजमार्ग पर पचगांव चौक के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल बस के कंडक्टर और एक बच्चे को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी घायलों को अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मी अशोक कुमार (39) अलवर जिले के मोलावास गांव के मूल निवासी थे।

डायरिया की आशंका वाले क्षेत्रों में प्रोटोकॉल दशहरा तक लागू रखे जाएं : ओडिशा के मुख्यमंत्री

ओडिशा, (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को डायरिया की आशंका वाले क्षेत्रों में अपनाए जा रहे प्रोटोकॉल को दशहरा तक लागू रखने का निर्देश दिया है, हालांकि राज्य के छह जिलों में डायरिया के मामलों में कमी आई है। अब तक कम से कम 13 लोगों की जलजनित बीमारियों से मौत हो चुकी है। जाजपुर, भद्रक, कटक, केंद्रपाड़ा, ढेंकानाल और क्योंझर जिलों में कुल 3,892 लोग डायरिया और हैजा से ग्रस्त हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को छह जिलों में डायरिया की स्थिति की समीक्षा करते हुए यह निर्देश जारी किया। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि अब तक 3,543 मरीज बीमारी से ठीक हो चुके हैं, जबकि 254 व्यक्तियों का उपचार किया जा रहा है। बयान में कहा गया है कि डायरिया की स्थिति अब नियंत्रण में है और नए मामलों की संख्या पूरी तरह से कम हो गई है।

एनआईए ने खालिस्तानी आतंकवादियों के प्रमुख सहयोगी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एनआईए ने कहा कि जतिंदर सिंह मध्य प्रदेश से पंजाब के गैंगस्टरों को अवैध हथियारों की खरीद और आपूर्ति करने में शामिल था। बयान में कहा गया है कि वह बटाला के साथियों को हथियारों की आपूर्ति में मदद कर रहा था। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पंजाब आतंकवादी साजिश मामले में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी लखबीर सिंह उर्फ घ्लांडा और गैंगस्टर पवित्र बटाला के प्रमुख सहयोगी जतिंदर सिंह उर्फ घ्जोती के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। शुक्रवार को मोहाली में विशेष एनआईए अदालत के समक्ष आरोपपत्र दाखिल किया गया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पंजाब के गुरदासपुर जिले के रहने वाले जतिंदर सिंह को एनआईए ने पिछले साल 23 दिसंबर को मुंबई से गिरफ्तार किया था।

जनता कि समस्या का समाधान होगा, सबको न्याय मिलेगा : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, (एजेंसी)। प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। आश्वस्त किया कि सबको न्याय मिलेगा। जनता की समस्या सुनते हुए सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने किया गया था। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। जनता दर्शन में आईं जमीन कब्जा संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गरीबों की जमीन कब्जामुक्त कराएं और अवैध कब्जा करने वाले दबंगों को कानूनी सबक सिखाएं। उन्होंने कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान व्हीलचेयर पर आए एक व्यक्ति को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने आश्वस्त किया इलाज में सरकार धन की कमी आड़े नहीं आने देगी। बच्चों को दुलारकर सीएम ने दिया आशीर्वाद गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रविवार सुबह की दिनचर्या परम्परागत रही।

उच्चतम न्यायालय की पूर्ण अदालत ने बार संगठनों के आवेदन पर शीशे के पैनल को हटाने का निर्णय लिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय प्रशासन ने शनिवार को कहा कि बार संगठनों से प्राप्त आवेदन का संज्ञान लेने के बाद पूर्ण अदालत ने अदालत कक्ष संख्या एक से पांच तक के सामने लगे शीशे के पैनल को हटाने का निर्णय लिया है। उच्चतम न्यायालय प्रशासन ने एक बयान में कहा कि पूर्ण अदालत ने शीशे के पैनल को हटाने के संबंध में 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए)' और 'सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स–ऑन–रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए)' से प्राप्त ज्ञापन पर गौर किया है। बयान में कहा गया है, '' मूल भव्यता, दृश्यता, सौंदर्यबोध और न्यायालय कक्ष तक पहुंच से संबंधित चिंताओं समेत विभिन्न मुद्दों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, पूर्ण अदालत ने शीशे के पैनल को हटाने का निर्णय लिया।'' पिछले वर्ष दिसंबर में, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना से वातानुकूलन के लिए लगाए गए शीशे के पैनल को हटाने और इसके ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करने के लिए उच्चतम न्यायालय के गलियारों के मूल स्वरूप को बहाल करने का अनुरोध किया था। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश को लिखे पत्र में एससीबीए ने कहा था कि वातानुकूलन के लिये लगाये गये शीशे के पैनल के कारण गलियारे में जगह काफी कम हो गई है, जिसके चलते खासकर व्यस्त समय में बार के सदस्यों, पंजीकृत लिपिकों, प्रशिक्षुओं और वादियों को आने–जाने में परेशानी होती है। पत्र में कहा गया था, ''हम उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करने के लिए शीशे के पैनल को हटाने और गलियारे को मूल स्वरूप में बहाल करने का अनुरोध करते हैं।

छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित बस्तर में सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए रविवार को दो दिनों के लिए छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। रविवार को शाह नवा रायपुर में कई केंद्रीय संस्थानों की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के नए परिसरों का उद्घाटन करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि शाम को वह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों और शीर्ष सुरक्षा कर्मियों के साथ एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें नक्सल विरोधी अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। 23 जून को शाह दक्षिण बस्तर के नारायणपुर का दौरा करेंगे और विकास पहलों की समीक्षा करने के लिए सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय ग्रामीणों से मिलेंगे। गृह विभाग की देखरेख करने वाले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि वह बस्तर में एक सुरक्षा शिविर का भी दौरा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री साय ने शुक्रवार को शाह के दौरे की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की, जिसमें उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ के लिए नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया, जिसमें उग्रवाद से निपटने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया गया। नवंबर 2023 में भाजपा के सत्ता में लौटने के बाद से, छत्तीसगढ़ में कई शीर्ष कैडर सहित 427 माओवादी मारे गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शाह की इस प्रस्तावित यात्रा को छत्तीसगढ़ के लिए ''नई ऊर्जा और विश्वास का प्रतीक'' बताया है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि राज्य सरकार ने नवा रायपुर में एनएफएसयू के लिए 40 एकड़ जमीन आवंटित की है तथा इसे केंद्र द्वारा लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य फोरेंसिक लैब एनएफएसयू के करीब ही छह से सात एकड़ भूमि पर स्थापित की जाएगी।

हमें हर समय सुगमता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए : जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों के मामले में हर समय ''सुगमता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।'' बिना अधिक विवरण साझा किए जयशंकर ने कहा, ''आखिरकार, हमारे प्रत्येक पड़ोसी को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ काम करने से आपको लाभ होगा और भारत के साथ काम न करने की एक कीमत चुकानी पड़ेगी।'' विदेश मंत्री ने 'डीडी इंडिया' पर आयोजित एक संवाद सत्र के दौरान कहा, ''कुछ लोगों को इसे समझने में अधिक समय लगता है, जबकि कुछ लोग इसे बेहतर समझते हैं। बेशक इसका एक अपवाद पाकिस्तान है, क्योंकि उसने अपनी पहचान सेना के तहत परिभाषित की है और उसमें शत्रुता का भाव है। इसलिए यदि आप पाकिस्तान को एक तरफ रख दें, तो यह तर्क हर जगह लागू होगा।'' जयशंकर ने शनिवार रात अपने 'एक्स' हैंडल पर लगभग एक घंटे की बातचीत का लिंक साझा किया। विदेश मंत्री से एक रणनीतिक विशेषज्ञ के साथ बातचीत में पिछले 11 वर्षों में अमेरिका और चीन के रुख में आए बदलावों के बारे में भी पूछा गया और पूछा गया कि नयी दिल्ली इस बदलाव को कैसे देखती है। जयशंकर ने कहा, ''जहां तक घ्अमेरिका का सवाल है, हां, उसके बारे में अंदाजा लगाना मुश्किल है, इसलिए एक व्यवस्थित स्तर पर, आप इसे यथासंभव अधिक से अधिक संबंधों के साथ स्थिर करते हैं।'

भाषा विवाद को लेकर राहुल गांधी पर निशिकांत दुबे ने कसा तंज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता निशिकांत दुबे ने रविवार को राहुल गांधी पर निशाना साधा और स्थानीय भाषाओं के बजाय अंग्रेजी सीखने को प्रोत्साहित करने के कांग्रेस नेता के इरादों पर सवाल उठाया। साथ ही उन्होंने भाषा के चयन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का विरोध करने के "पाखंड" की ओर इशारा करते हुए कहा कि 1986 की एनईपी के भी इसी तरह के लक्ष्य थे। निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी जी आपका खोजी सलाहकार आपको बर्बाद करने पर उतारू है, यह आपके पिताजी के द्वारा देश को दिया शिक्षा नीति 1986 का है, इसमें आपके पिताजी हिंदी को बढ़ावा देने, संस्कृत भाषा को सिखाने तथा क्षेत्रीय भाषाओं में अंग्रेजी से अनुवाद करने का वादा देश से कर रहे हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा कि यही शिक्षा नीति लगभग अभी चल रही है,क्षेत्रीय भाषाओं के साथ

भी विद्यार्थी बढ़े इसमें बदलाव अभी माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2020 में किया है। रुस, चीन, फ्रांस, जर्मनी, अरब देश, जापान, कोरिया सभी को अपनी भाषा पर गर्व है और वह विकसित है, आप गुलामों की तरह अंग्रेजी पर क्यों गर्व करते हैं, हमें तो संथाली, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगला, मलयालम, हिंदी, संस्कृत पर गर्व है। दुबे की पोस्ट राहुल गांधी की एक अन्य पोस्ट के जवाब में की गई थी, जिसमें उन्होंने लोगों, खासकर वंचित पृष्ठभूमि के लोगों को अंग्रेजी सीखने का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि भाषा सीखना समानता, अधिक रोजगार के अवसरों की ओर एक कदम हो सकता है, जो कि भाजपा–आरएसएस नहीं चाहता है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्यह अंग्रेजी का बांध नहीं है, यह एक पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं है,।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए रेडियो सशक्त माध्यम : फडणवीस

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि रेडियो दशकों से अस्तित्व में है और वर्तमान समय में भी उतना ही प्रभावशाली है। उन्होंने इसे एक प्रभावशाली माध्यम बताया जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकता है। वह महाराष्ट्र रेडियो महोत्सव और आशा रेडियो पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे, जहां प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले भी मौजूद थीं। फडणवीस ने छह रेडियो जॉकी से भी बातचीत की। फडणवीस ने रेडियो से अपने जुड़ाव, संगीत के प्रति अपने प्रेम और गीत लिखने के अपने शौक को याद किया। विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने एक कविता भी सुनाई और एक गीत भी गुनगुनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेडियो के गहन प्रभाव को पहचाना और प्रत्येक नागरिक से सीधे जुड़ने के साधन के रूप में 'मन की बात' की शुरुआत की। कार्यक्रम में आशा भोसले ने कहा, ''अगर रेडियो नहीं होता, तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं होती।'' रेडियो की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए फडणवीस ने कहा कि यह दशकों से अस्तित्व में है, लेकिन आज भी यह उतना ही प्रभावशाली है। उन्होंने कहा, ''हमारी सुबह हमेशा रेडियो से शुरू होती थी। हम कभी भी विविध भारती के गाने नहीं भूलते – यहीं से रेडियो से मेरा असली जुड़ाव शुरू हुआ।'' उन्होंने कहा, ''मेरा लंबे समय से मानना घ्रहा है कि हमें रेडियो उद्योग में काम करने वालों के योगदान को सार्थक रूप से स्वीकार करना चाहिए। इन पुरस्कारों की स्थापना उस दिशा में एक सार्थक कदम है। भले ही हम रेडियो पर बोलने वाले व्यक्ति को नहीं देख सकते, लेकिन उनके शब्द जीवंत छवि बनाते हैं। रेडियो में ध्वनि के माध्यम से चित्र बनाने की शक्ति है।'' कार्यक्रम में उपस्थित महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि राज्य सरकार ने इस क्षेत्र में उत्कृष्टता को सम्मानित करने के लिए इन पुरस्कारों की शुरुआत की है। उन्होंने बताया कि भारत का पहला रेडियो प्रसारण 1923 में 'रेडियो बॉम्बे' के रूप में शुरू हुआ था।

ईरान-इजरायल तनाव में अमेरिका की एंट्री, महबूबा मुफ्ती ने ओआईसी और पाकिस्तान पर साधा निशाना

जम्मू, (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच जारी तनाव अब वैश्विक स्तर पर एक नया मोड़ ले लिया है। अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर हवाई हमले किए और राष्ट्रपति ट्रंप ने इन्हें पूरी तरह से तबाह करने का दावा किया। इस हमले के बाद भारत में भी सियासी हलचल दिखने लगी है। महबूबा मुफ्ती ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की है। जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मुस्लिम देशों के समूह ओआईसी और खासकर पाकिस्तान पर निशाना साधा , साथ ही भारत सरकार की चुप्पी को भी अफसोसनाक करार दिया है।

महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा, ष्जैसी उम्मीद थी, ईरान पर हमले के बाद ओआईसी ने एक बार फिर अपनी प्रतिक्रिया को केवल दिखावटी सेवा तक सीमित रखा है। इस बीच, जिस देश ने डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सिफारिश करने में जल्दबाजी दिखाई थी, वह अब ईरान पर हमले के बाद खुद को शर्मसार पाता है महबूबा मुफ्ती का इशारा स्पष्ट रूप से पाकिस्तान की ओर था। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने हाल ही में व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात की थी। इस

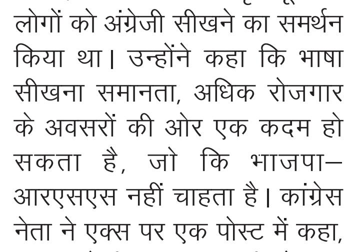

दौरान हुई बातचीत के बाद मुनीर ने ट्रंप के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की सिफारिश की थी। हालांकि, अमेरिका के इस ताजा हमले के बाद पाकिस्तान की यह सिफारिश अब विवादों के घेरे में आ गई है। महबूबा मुफ्ती ने आगे लिखा, ष्ईरान पर यह हमला करके ट्रंप ने तनाव को खतरनाक रूप से बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्र में हिंसा की एक नई शुरू हो गई है। यह दुनिया को वैश्विक संघर्ष के कगार पर ले जा रहा है।ष् महबूबा मुफ्ती ने भारत सरकार की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ष्अफसोस की बात है कि भारत को लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मामलों में ऐतिहासिक और सैद्धांतिक भूमिका निभाने वाले देश के रूप में देखा जाता है, लेकिन वह न केवल चुप है, बल्कि हमलावर के साथ खड़ा होता दिख रहा है।

दागी अधिकारियों की बहाली के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाएगी सरकार : हिमंत

असम, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार गुवाहाटी उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी, जिसमें असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) द्वारा आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में नौकरी के बदले नकदी घोटाले में बर्खास्त 52 अधिकारियों को बहाल करने का निर्देश दिया गया है। शर्मा ने उच्च न्यायालय के इस आदेश को ऐसे समय में ''दुखदायी'' करार दिया जब राज्य सरकार केवल योग्यता के आधार पर भर्तियां सुनिश्चित कर रही है। उच्च न्यायालय ने एपीएससी द्वारा आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में नौकरी के बदले नकदी घोटाले में शामिल 2013 और 2014 बैच के बर्खास्त 57 अधिकारियों में से 52 को शुक्रवार को बहाल करने का आदेश जारी किया था। अदालत ने राज्य सरकार को परिवीक्षा अवधि पूरी करने वाले बर्खास्त अधिकारियों को 50 दिन की अवधि के भीतर बहाल करने का निर्देश दिया और अगले 30 दिन तक बर्खास्त अधिकारियों को कोई भी कार्य नहीं सौंपने तथा आवश्यकता पड़ने पर विभागीय जांच करने की भी अनुमति दी। बक्सा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान शर्मा ने कहा, ''एपीएससी मामले पर खंडपीठ का फैसला दुखद है और इससे हमें निराशा हुई है।'' उन्होंने कहा कि अदालत ने यह आदेश ऐसे समय में दिया है जब राज्य में केवल योग्यता के आधार पर भर्तियां की जा रही हैं। शर्मा ने कहा, ''मैंने फैसला नहीं देखा है लेकिन मैंने अखबारों में जो पढ़ा है अगर वह सही है तो यह (फैसला) दुर्भाग्यपूर्ण है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय में अपील करेंगे और अंतिम क्षण तक यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि गलत तरीके से नौकरी पाने वाले किसी भी व्यक्ति को बहाल न किया जाए।'' नौकरी के बदले पैसे देने से जुड़ा यह घोटाला 2016 में सामने आया था और असम पुलिस ने जांच के दौरान आयोग। के पूर्व अध्यक्ष राकेश कुमार पॉल, 57 सिविल सेवा अधिकारियों सहित 70 लोगों को गिरफ्तार किया था।

संपादकीय

सुखद योग संयोग

आज पूरा देश व दुनिया ग्यारहवां विश्व योग दिवस उल्लास के साथ मना रही है। लाखों लोगों का बड़े आयोजनों के साथ उत्साह व उल्लास से जुड़ना, इस बात का प्रमाण है कि देश ने अपनी सदियों पुरानी योग की विरासत का अंगीकार कर लिया है। सुखद संयोग देखिए कि जल–थल और नभ में योग करते चित्र मीडिया में तैर रहे हैं। केंद्र व राज्य सरकारों के मंत्री से लेकर संत्री तक योग करते नजर आ रहे हैं। सेना के तीनों अंगों व अर्द्ध सैनिक बलों की अनुशासित टुकड़ियां जब योग करती नजर आती हैं तो योगमय आभा निखर आती है। राष्ट्रीय राजधानी व राज्यों की राजधानियों में विशेष योग समारोह आयोजित हो रहे हैं। हरियाणा सरकार ने तो पिछले एक महीने से कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले मुख्य योग समारोह के लिये पूरी ताकत लगा दी है। यूं तो सारे राज्य में योग चेतना अभियान, रैलियां,मैराथन के साथ स्कूल–कालेजों में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम योग प्रोटोकॉल के तहत आयोजित किए जाते रहे हैं, लेकिन सरकार का खास ध्यान कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर में होने वाले कार्यक्रम पर केंद्रित है। जिसमें एक लाख लोगों के जुटने की तैयारी युद्ध स्तर पर की गई है। सरकार की कोशिश है कि ग्यारहवें विश्व योग दिवस पर राज्यभर में होने वाले योग समारोहों में ग्यारह लाख लोग भाग लें। कोशिश है नया विश्व रिकॉर्ड बने, जब ग्यारह लाख लोग राज्य के बाईस जनपदों और 121 खंडों के विभिन्न स्थानों पर एक साथ योगाभ्यास करेंगे। कमोबेश, ऐसा ही उत्साह देश के अन्य राज्यों में नजर आ रहा है और मुख्यमंत्री, मंत्रियों से लेकर तमाम बड़े अधिकारी योग दिवस समारोहों में शिरकत करते नजर आएंगे। निश्चित रूप से विश्व योग दिवस पर समारोहपूर्वक आयोजन योग के प्रति उत्साह जगाएंगे। लेकिन जरूरी है कि स्वस्थ जीवन शैली के लिये बाकी 364 दिन भी योग हमारी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बने। निस्संदेह, स्वस्थ नागरिक किसी भी देश की अमूल्य पूंजी है। वहीं रोगग्रस्त नागरिक किसी राष्ट्र की बड़ी क्षति है। ऐसे समय में जब हमारी जीवन शैली में आए आमूल–चूल बदलावों से मनोकायिक रोगों का उफान है, योग ही हमें स्वस्थ जीवन की गारंटी दे सकता है। योग गुरु कहते भी हैं कि यह समय दवा से नहीं, विचार से उपचार का है। दवाओं के साइड इफेक्ट सर्वविदित हैं। लगातार महंगी होती चिकित्सा प्रणाली रोग के तात्कालिक उपचार में तो सक्षम है लेकिन रह–रहकर रोग भी उभर आते हैं। जरूरी है कि हमारी योगमय जीवन शैली ऐसी हो कि रोगवर्धक तत्व हमारे शरीर को अपना घर न बना सकें, जो रोग फैलाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। योग हमारी सकारात्मक सोच व सात्विक जीवन शैली को वरीयता देता है। जिससे हमारा तन–मन शुद्ध हो सके। आज अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों के शोध बता रहे हैं कि हमारे प्रदूषित विचार पहले मन को बीमार करते हैं, फिर बीमार मन हमारे शरीर को रोगी बनाता है। अष्टांग योग यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि पर बल देता है। जब हम इसके पहले अंग यम के अंतर्गत अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह का पालन करते हैं तो योग साधने में सफल होते हैं। हमारे समाज में बढ़ता तनाव व आक्रामकता तमाम तरह के अपराधों की जननी है। यदि हम योग–ध्यान से मन को शांत रख पाते हैं ।

पड़ोसी देशों से बेहतर रिश्ते बनाने की हो कोशिश

गुरबचन

'दुश्मन को बिना लड़े हरा देना, कौशल की पराकाष्ठा है'दृ प्रसिद्ध चीनी जनरल सन त्जु ने यह सूक्ति 500 ईसा पूर्व दी थीय जो आज भी सटीक है। चीनी अपने पुरातन सैन्य रणनीतिकारों के अच्छे शिष्य रहे हैं, जैसा कि भारतीय उपमहाद्वीप और हिंद महासागर को लेकर उनकी भू–राजनीतिक रणनीति 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' में परिलक्षित है, जहां से होकर वैश्विक जहाजरानी का बड़ा हिस्सा गुजरता है। उन्होंने ग्वादर (पाकिस्तान), हम्बन्तोता (श्रीलंका), क्यौकप्यू (म्यांमार) और जिबूती में बंदरगाह विकसित किए। इसे जब उनकी

बेल्ट एंड रोड पहल से जोड़कर देखें तो इस क्षेत्र पर बनता उनका वर्चस्व और चीनी व्यापार एवं सैन्य ताकत प्रदर्शित करती क्षमता साफ दिखती है। साल 1978 से 2005 तक उनकी इकोनॉमी 9 फीसदी दर से बढ़ी, जिसने उन्हें एक गरीब देश से विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदल दिया। इसी वक्त, उसने एक दीर्घकालिक भू–राजनीतिक रणनीति भी चलानी शुरू की। इन बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे को बनाने में दशकों लग गए। आज, उपमहाद्वीप के राजनीतिक मानचित्र को देखते हुए, खुद को जिस तेजी से अलग–थलग माहौल में पा रहे हैं, उससे हम आंखें मूंद नहीं सकते। पाकिस्तान से लगती उत्तर–पश्चिमी सीमा शत्रुतापूर्ण हैय उत्तर–पूर्वी परिदृश्य में चीन का दबदबा है, शत्रुतापूर्ण बांग्लादेश, तटस्थ नेपाल, नटखट म्यांमार और कमजोर भूटान है। दक्षिण में, श्रीलंका खुद को चीनी प्रभाव में धंसता पा रहा है। सालों चले तमिल–सिंहली संघर्ष के बाद दिशा भटकी भारतीय शांति स्थापना मुहिम ने बहुत हद तक आपसी भरोसा तोड़ा। इस रिश्ते को सुधारने को अगले दशकों में खास नहीं किया। पुराना सहयोगी मालदीव हमें मुश्किल सहन करता है। दक्षिण–पूर्व एशिया के साथ कोई सार्थक व्यापार समझौता नहीं, तो हम खड़े कहां हैं? दुनिया हिंसा के भंवर में फंसी है और कई अन्य ज्वलंत बिंदु हैं, जो हमें हिंसा की ओर धकेल सकते हैं। तीन साल पहले, जब यूक्रेन–रूस युद्ध छिड़ा था, तो हमारे प्रधानमंत्री ने हिंसा खत्म करने का आह्वान किया था रू 'यह युग युद्ध का नहीं है' जिसकी प्रतिध्वनि दुनियाभर में गूंजी। हालांकि,तब से दुनिया विनाशकारी परिणाम के भंवर की ओर खिंचती प्रतीत हो रही है। मध्य–पूर्व और यूक्रेन में तबाही पर बात करने से पहले देखें कि मौजूदा परिदृश्य में हम किस स्थिति में हैं। सच है कि हमने लगभग कभी युद्ध नहीं चाहा, लेकिन जब कभी इसने हमारे दरवाजे पर दस्तक दी तो हम हमेशा आगे बढ़े और अपना बचाव किया। हालांकि, अहम यह कि युद्ध को अपनी सीमाओं से दूर रखा जाए, इससे पहले कि यह हमें नुकसान पहुंचाए। इसके लिए, अपने पास मजबूत रक्षा बल के साथ–साथ कुशल कूटनीति होनी जरूरी है। सबसे पहले अपने पड़ोस और अपने आसपास के दोस्तों के साथ खास सक्रिय रहना चाहिए। लेकिन, लगता है आसपास के क्षेत्र में हमारा कोई दोस्त नहीं रहा। यह रातोंरात बनी स्थिति नहीं, बल्कि हमारे द्वारा किसी भी सार्थक प्रयास की अनुपस्थिति में, चीन द्वारा की गई श्रमसाध्य नीतिगत पहलों का परिणाम है। जबकि हमने आत्म–त्याग में जीना चुना। चीन ने चतुराई से अपना खेल खेला और इन देशों को उनकी जरूरत अनुसार समय–समय पर वित्तीय मदद, बुनियादी ढांचा निर्माण और अन्य भौतिक मदद प्रदान करके दिल जीत लिया। अब उसके पास हमारी सीमाओं और सीमावर्ती राज्यों में परेशानी खड़े करने की क्षमता है, चाहे वह पूर्वोत्तर हो या उत्तर–पश्चिम। रणनीतिक लक्ष्यों के साथ सक्रिय राजनयिक मिशन रखने से इस परिदृश्य से बचा जा सकता था। कश्मीर में, जहां पाकिस्तानी एजेंसियों ने खून–खराबे करवाने की फिराक में हमारी जमीन को दागदार किया, हमने मजबूती दिखाई, और हमारे राजनीतिक नेतृत्व एवं सशस्त्र बल प्रतिक्रिया देने में दृढ़ और निर्णायक रहे। सक्रिय प्रतिकर्म का नतीजा रहा कि चार दिन बाद, दुश्मन शांति की दुहाई डालता दिखा, और हमने उदारता से उनकी याचना स्वीकार कर ली, हालांकि एक वर्ग अधिक कठोर कार्रवाई करने के पक्ष में था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने युद्धविराम का श्रेय लिया, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने उन्हें स्पष्ट कहा कि भारत को कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता मंजूर नहीं। अमेरिका, उसके राष्ट्रपति और सैन्य नेतृत्व ने आतंकवाद को काबू करने में तथाकथित मदद के लिए पाकिस्तान की प्रशंसा की है। और गत बुधवार ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पाक सेना प्रमुख की मेजबानी की। हाल ही में सीमा पारीय झड़पों में, चीनी निश्चित रूप से पाकिस्तानियों के साथ थे, रूसियों ने भी हमारे प्रति विगत के समर्थन जैसा उत्साह नहीं दिखाया और अमेरिकी लहजा अपमानजनक रहा। इसकी तुलना 1971 में भारत और सोवियत संघ के बीच हस्ताक्षरित शांति, मैत्री व सहयोग की संधि से करें। तब अमेरिका ने बंगाल की खाड़ी में अपना 7वां बेड़ा तैनात कर दिया था और ब्रिटेन ने हमारे खिलाफ विमान वाहक बेड़ा रवाना किया। हालांकि, सोवियत ने परमाणु पनडुब्बियों और विध्वंसक ग्रुप्स की तैनाती करके अड़ंगा लगा दिया। अमेरिका और ब्रिटेन पीछे हट गए, और शेष इतिहास है। कारण कुछ भी रहे, लेकिन तथ्य यह कि जब हमें सहयोगी की आवश्यकता थी, तो हमारे पास एक था। लंबे समय तक, भारतीय सॉफ्ट पॉवर ने देश को अपने कद से कहीं अधिक प्रदर्शन करने में मदद की। भारत एशियाई–अफ्रीकी सहयोग को लेकर हुए बांडुंग सम्मेलन (1955) के प्रमुख आयोजकों में एक थाय भारत और अन्य गुट निरपेक्ष देशों ने अफ्रीका के साथ घनिष्ठ संबंधों को बढ़ावा देने की पहल की, नेहरू ने तो इसे 'बहन' महाद्वीप का नाम दिया। बाद की सरकारों ने घनिष्ठ संबंध विकसित करने के प्रयास जारी रखे– क्या हाल ही में कुछ ऐसा हुआ कि कोई भी हमारे हित में साथ आया? नेपाल और विशेष रूप से नेपाली सेना का हमारे साथ गर्भनाल का संबंध रहा है, उनके कई जनरलों ने एनडीए में प्रशिक्षण लिया है। भारतीय गोरखा रेजिमेंट में नियमित नेपाली नागरिकों की भर्ती होती थी दृ यह क्यों बंद हो गई? बांग्लादेश की स्वतंत्रता के मुख्य समर्थक और वास्तुकार होने के बावजूद, आज हम खुद को विपरीत पाले में खड़े क्यों पा रहे हैं? कुछ पश्चिमी देशों ने निष्पक्ष खेलने की कोशिश कीय हालांकि, बेचौन करने वाली बात रही हमारे पड़ोसियों की चुप्पी।

मध्य–पूर्व एशिया में चल रहे संघर्ष से पूरा इलाका इसकी चपेट में आने का खतरा बन चला है, जिसमें युद्धरत पक्ष एक–दूसरे को मिटाने को आमादा हैं। ड्रोन और मिसाइलों के रूप में प्रौद्योगिकी इसे प्रलयंकारी रूप दे रही है। रात को मिसाइलों से निकलती आग की लपटों से आसमान जगमगा उठता है और नेपथ्य में हवाई हमले के सायरन की भयावह आवाजें भी सुनाई देती हैं। उधर यूरोप में, रूस और उसके सहयोगियों का नाटो के समर्थन पाए यूक्रेन के साथ युद्ध धधक रहा है। क्या इन क्षेत्रीय युद्धों के गहरे आयाम हैं दृ बेशक। अमेरिकी के आर्थिक और सैन्य, दोनों तरह के आधिपत्य को,रूस और चीन से संयुक्त चुनौती मिल रही है। नाटो की पुरानी व्यवस्था, जो 20वीं सदी में काफी मजबूत थी, अमेरिका द्वारा उत्तरोतर राष्ट्रवादी रुख अपनाने के कारण कमजोर पड़ गई। हमें अपनी विदेश नीति निर्माण और क्रियान्वयन में ओर सक्रियता की जरूरत है। साझा कूटनीतिक और आर्थिक लक्ष्यों के जरिये पड़ोसियों को जीतना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में, चुप्पी साधना या तटस्थ दिखना हमेशा अच्छे विकल्प नहीं होते। कभी–कभी, अपनी आस्तीन में इक्का छिपाकर रखते हुए हाथ खाली दिखाना बुद्धिमानी होती है। जब भी यूक्रेन युद्ध के संबंध में संयुक्त राष्ट्र में युद्ध विराम का मामला उठता है, हमने अनुपस्थित होना चुना। इसी तरह, गाजा के संबंध में भी हमने अनुपस्थिति दर्ज करवाई। नतीजा, न तो पश्चिम हमसे खुश है और न ही रूस। अब समय आ गया है कि हम खुद में सुधार करें और मजबूत दोस्ती के साथ–साथ मजबूत प्रतिरोधक भय विकसित करें।

बिना अहिंसा के योग सम्भव नहीं

डॉ. सोमवीर

आज विश्व ग्यारहवां योग दिवस मना रहा है। योग के इस व्यापक प्रचार को देखकर मन आनन्दित तो होता है, लेकिन साथ ही मन इस बात को लेकर भी शंकित होता है कि क्या हम सही मायने में योग दिवस को आत्मसात कर रहे हैं? अष्टांग योग को सबसे उत्तम योग माना गया है। जिसमें महर्षि पतंजलि ने आठ अंगों के पालन की बात कही है। जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि शामिल हैं। इनमें सबसे पहले अंग यम के पांच उपांग होते हैं, जिनमें अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह आते हैं। आज योग के जिस अंग का सबसे अधिक प्रचार हो रहा है, वह आसन है। जो कि अष्टांग योग साधना के क्रम में तीसरा अंग है। अब विचार इस बात का है कि क्या हम योग के प्रथम अंग के पहले भाग अर्थात अहिंसा का पालन करते हैं? तब जिस बात को लेकर मन में शंका पैदा हुई थी कि क्या हम योग के वास्तविक स्वरूप को आत्मसात करने में सफल हुए हैं? अहिंसा का सामान्य अर्थ होता है, किसी भी प्राणी को अपने मन, वचन व कर्म द्वारा पीड़ा, तकलीफ, परेशानी, हानि, चोट अथवा कष्ट न पहुंचाना। इसे हिंसा का सर्वथा त्याग कहा जाता है। अहिंसा को पतंजलि योगदर्शन की अष्टांग योग साधना के यम का पहला अंग माना गया है। अर्थात अष्टांग योग साधना का आरम्भ अहिंसा के पालन करने से ही होता है। इस प्रकार अहिंसा को अष्टांग योग साधना में सबसे पहले धारण करने का निर्देश दिया गया है। जब हम अहिंसा की बात करते हैं तो इसका मतलब– मानसिक, वाचिक व कायिक अहिंसा से होता है। अपने मन में किसी भी प्राणी के प्रति वैरभाव, उसके बारे में बुरी भावना या उसे मन ही मन हानि अथवा नुकसान पहुंचाने का भाव भी अपने मन में न रखना होगा।

.... विविध ....

ब्रेस्ट कैंसर का इलाज हुआ आसान : अब खून की एक बूंद से पता चलेगा इस जानलेवा बीमारी का

ब्रेस्ट कैंसर आज दुनिया भर की महिलाओं के लिए एक बड़ी चिंता बन चुका है। हर 8 में से 1 महिला को जीवन में कभी न कभी इस बीमारी का सामना करना पड़ता है। इसके इलाज के बाद भी लगभग हर 4 में से 1 महिला को कैंसर

फिर से होने का खतरा रहता है। इसलिए इस बीमारी का जल्दी पता लगाना बहुत जरूरी है। लेकिन अभी तक इस्तेमाल होने वाली मैमोग्राफी जैसी जांच तकनीकें कैंसर के शुरुआती चरण में इसे पकड़ने में अक्सर असफल रहती हैं, खासकर युवतियों में।

स्विट्जरलैंड की कंपनी ग्मउचमतपं की नई ब्लड टेस्ट तकनीक

स्विट्जरलैंड की एक स्टार्टअप कंपनी ग्मउचमतपं ने अब एक ऐसा ब्लड टेस्ट बनाया है, जो खून में मौजूद इम्यून सेल्स (प्रतिरक्षा कोशिकाओं) के खास बदलावों को देखकर ब्रेस्ट कैंसर का पता लगाता है। यह टेस्ट बहुत ही जल्दी, शुरुआती चरण में ही कैंसर की पहचान कर सकता है और इसकी सटीकता 99: से 100: तक बताई जा रही है।

इस तकनीक की खास बातें

कम दर्द और असुविधा– यह टेस्ट केवल खून की एक छोटी बूंद लेकर किया जाता है, जबकि मैमोग्राफी में कुछ महिलाओं को दर्द और असुविधा होती है।

रिलैप्स की पहचान– इलाज के बाद कैंसर के फिर से होने की संभावना को भी यह समय रहते पकड़ सकता है।

व्यक्तिगत इलाज में मदद– मरीज की प्रतिरक्षा प्रणाली के अनुसार इलाज को बेहतर बनाने में मदद करता है।

यह तकनीक यूनिवर्सिटी ऑफ फ्राइबर्ग में 20 साल से अधिक रिसर्च के बाद तैयार हुई है और अब तक इसे सैकड़ों मरीजों पर सफलतापूर्वक टेस्ट किया गया है। अब ग्मउचमतपं इस टेस्ट के बड़े पैमाने पर क्लिनिकल ट्रायल की तैयारी कर रही है। अगर ये टेस्ट सफल होता है, तो यह भविष्य में ब्रेस्ट कैंसर की जांच के लिए नया मानक बन सकता है।

भारत में नई पोर्टेबल डिवाइस– डमउव ।समतज

भारत में भी ब्रेस्ट कैंसर जांच के लिए एक नया पोर्टेबल यंत्र डमउव ।समतज आ रहा है। यह डिवाइस रक्त की एक बूंद से मात्र 15 मिनट में यह पता लगा सकता है कि किसी महिला को ब्रेस्ट कैंसर है या नहीं।

पीओसी मेडिकल सिस्टम्स इंक के सीईओ डॉ. संजीव सक्सेना के अनुसार, यह टेस्ट बहुत आसान है। खून की एक बूंद को डिस्क में डालना होता है, जिसमें पहले से रियाजेंट होते हैं। फिर यह टेस्ट 10–15 मिनट में परिणाम देता है।

भारत में ब्रेस्ट कैंसर की गंभीर स्थिति

भारत में हर साल करीब 1.5 लाख महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर होता है। इनमें से लगभग 70 हजार महिलाओं की मौत होती है। लगभग हर 7 मिनट में एक महिला इस बीमारी की वजह से दम तोड़ती है। कई मशहूर हस्तियों जैसे कायली मिनोग, नम्रता सिंह गुजराल, एंजेलिना जॉली और मुमताज भी इस बीमारी से जूझ चुकी हैं। बड़ी समस्या यह है कि इस बीमारी का पता अक्सर बहुत देर से चलता है, जब इलाज मुश्किल हो जाता है।

टेस्टिंग और उपलब्धता

विदेशों में टेस्टिंग पूरी हो चुकी है और अब भारत के कई अस्पतालों और कैंसर संस्थानों में इसका परीक्षण किया जाएगा। अगर यह परीक्षण सफल रहा, तो यह डिवाइस भारत में जुलाई से उपलब्ध हो जाएगा।

यह डिवाइस महिलाओं के लिए एक बड़ी राहत लेकर आएगा, जिससे वे बिना किसी दर्द या परेशानी के घर पर ही अपनी जांच कर सकेंगी और समय रहते इलाज शुरू कर सकेंगी। ब्रेस्ट कैंसर की जल्द पहचान से लाखों जानें बचाई जा सकती हैं। ग्मउचमतपं का ब्लड टेस्ट और भारत में लॉन्च हो रही डमउव ।समतज डिवाइस इस क्षेत्र में बहुत बड़ा बदलाव लाने वाले हैं। महिलाओं को चाहिए कि वे अपनी सेहत का ध्यान रखें और समय–समय पर जांच कराते रहें।

बैली फैट से छुटकारा पाना है आसान, रोज करें ये 3 सिंपल एक्सरसाइज

आजकल फिट और आकर्षक दिखना हर किसी की ख्वाहिश होती है। लेकिन पेट और कमर पर जमा चर्बी शरीर को बेडौल बना देती है। अगर आप भी अपनी कमर पतली और आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। बस कुछ आसान एक्सरसाइज को अपनी डेली रूटीन में शामिल करें और जल्द ही फर्क महसूस करें।

नीचे बताए गए ये तीन सिंपल एक्सरसाइज आपकी कमर की चर्बी को तेजी से घटाने में मदद करेंगे और आपकी बॉडी को फिट और शेप में लाने में कारगर साबित होंगे।

क्रंचेज – पेट की चर्बी कम करने की बेस्ट एक्सरसाइज

क्रंचेज पेट की चर्बी को कम करने और एब्स को टोन करने के लिए सबसे बेहतरीन एक्सरसाइज मानी जाती है। यह आपकी कोर मसल्स को मजबूत बनाती है और बैली फैट को तेजी से बर्न करने में मदद करती है।

कैसे करें क्रंचेज?

सबसे पहले फर्श पर योगा मैट बिछाकर पीठ के बल लेट जाएं। अपने पैरों को मोड़ें और घुटनों को थोड़ा ऊपर रखें। हाथों को सिर के पीछे या छाती पर रखें। अब अपने सिर और कंधों को ऊपर उठाएं और पेट की मांसपेशियों पर दबाव डालें। कुछ सेकंड रुकें और फिर धीरे–धीरे वापस नीचे आएं। इस प्रक्रिया को 15–20 बार दोहराएं।

प्लैंक – पूरे शरीर को टोन करने वाली एक्सरसाइज

प्लैंक एक ऐसी एक्सरसाइज है जो न सिर्फ आपके पेट और कमर को पतला करने में मदद करती है, बल्कि यह पूरे शरीर को मजबूत और टोन भी करती है।

कैसे करें प्लैंक?

सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। कोहनियों और पंजों के सहारे शरीर को ऊपर उठाएं। शरीर को सीधा रखें और पेट को अंदर की ओर खींचे। इस स्थिति में कम से कम 30 सेकंड से 1 मिनट तक रहें। धीरे–धीरे समय बढ़ाकर 2–3 मिनट तक करने की कोशिश करें।

ट्विस्टिंग – कमर को शेप में लाने की बेहतरीन एक्सरसाइज

अगर आपको स्लिम और आकर्षक कमर चाहिए तो ट्विस्टिंग एक्सरसाइज को अपनी डेली रूटीन में जरूर शामिल करें। यह आपकी कमर को शेप में लाने और पेट की चर्बी को कम करने में मदद करती है।

कैसे करें ट्विस्टिंग?

सीधे खड़े हो जाएं और अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई जितना खोल लें।दोनों हाथों को सामने की ओर फैलाएं। अब अपनी कमर को पहले दाईं ओर मोड़ें, फिर बाईं ओर। यह प्रक्रिया 20–25 बार करें। आप इस एक्सरसाइज को बैलेंस बॉल या वेट के साथ भी कर सकते हैं।

अगर आप भी अपनी कमर को स्लिम और आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो इन तीन एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। साथ ही, हेल्दी डाइट और पर्याप्त पानी पीने की आदत डालें। रोजाना 20–30 मिनट का समय देकर आप कुछ ही हफ्तों में फर्क देख सकते हैं। तो देर किस बात की, आज से ही शुरुआत करें और खुद को फिट और हेल्दी बनाएं!

मामूली लगने वाले छोटे–छोटे लक्षण देते हैं फेफड़ों कैंसर का संकेत

फेफड़ों का कैंसर एक बेहद खतरनाक बीमारी है, लेकिन अगर इसका पता शुरुआती चरण में चल जाए, तो इसका इलाज संभव है और जान बचाई जा सकती है। परेशानी यह है कि इसके शुरुआती लक्षण इतने मामूली होते हैं कि लोग अक्सर उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं।

इन सामान्य सी दिखने वाली दिक्कतों को हम कभी थकान, कभी एलर्जी या बदलते मौसम की वजह मानकर टाल देते हैं। लेकिन अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है।

लंग कैंसर के ये मामूली दिखने वाले लक्षण न करें नजरअंदाज

सांस लेने में तकलीफ

अगर बिना ज्यादा मेहनत किए या सिर्फ सीढ़ियां चढ़ने पर ही आपकी सांस फूलने लगे, तो यह फेफड़ों की कमजोरी का संकेत हो सकता है। लंग कैंसर की वजह से फेफड़ों की कार्यक्षमता घट जाती है, जिससे शरीर को ऑक्सीजन की कमी महसूस होती है।

बिना कोशिश के वजन कम होना

अगर आपने डाइट या एक्सरसाइज नहीं की है, फिर भी कुछ हफ्तों में आपका 4–5 किलो वजन कम हो गया है, तो सतर्क हो जाएं। यह शरीर में कैंसर की गतिविधि का संकेत हो सकता है, क्योंकि कैंसर कोशिकाएं शरीर की ऊर्जा तेजी से खत्म करती हैं।

आवाज में बदलाव आना

यदि आपकी आवाज भारी या कर्कश हो गई है और 2–3 हफ्तों में भी ठीक नहीं हो रही, तो यह वॉयस बॉक्स पर दबाव या नर्व डैमेज का नतीजा हो सकता है, जो लंग कैंसर का लक्षण हो सकता है।

लगातार थकान महसूस होना

पूरी नींद लेने के बावजूद यदि आप दिनभर थका हुआ महसूस करते हैं, तो यह शरीर में मौजूद कैंसर कोशिकाओं की वजह से हो सकता है, जो आपकी ऊर्जा को तेजी से खर्च करती हैं।

लंबे समय तक खांसी और बलगम

अगर सामान्य खांसी 2–3 हफ्तों से ज्यादा समय तक बनी हुई है।

जासूस तो नहीं लखनऊ में गिरफ्तार उज्बेकिस्तान की युवतियां

लखनऊ, (संवाददाता)। उज्बेकिस्तान की होलिडा और नीलोफर के अवैध रूप से राजधानी लखनऊ में रहने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इनके पास पासपोर्ट और वीजा भी नहीं मिला है। ऐसे में दोनों दिल्ली से यहां पहुंचीं कैसे? इसके बारे में जानकारी की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि दोनों युवतियां कब से और किन–किन शहरों में रह रही हैं, इसका पता लगाया जा रहा है। जासूसी के बिंदु पर भी छानबीन की जा रही है। खुफिया एजेंसियां इसे लेकर अलर्ट हो गई हैं। माना जा रहा है कि दोनों युवतियों से खुफिया एजेंसियां भी पूछताछ करेंगी।

पुलिस के आने की भनक लगते ही वह भाग निकली

खास बात यह है कि दोनों को लखनऊ में लाने वाली और यहां के लोगों से परिचय कराने वाली लोलो के खिलाफ उज्बेकिस्तान में लुकआउट नोटिस भी जारी हो चुका है। फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) की टीम उसके बारे में पता लगा रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम ने जब छापा मारा था, तब लोलो भी वहीं दूसरे कमरे में थी। हालांकि, पुलिस के आने की भनक लगते ही वह भाग निकली।

होटल उज्बेकिस्तान की महिला का शव मिला था

बता दें कि हाल ही में विभूतिखंड के एक होटल उज्बेकिस्तान की महिला का शव मिला था। उसकी रहस्यमय हालात में मौत हो गई थी। उधर, मामले के विवेचक महेश कुमार सिंह का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सपा सरकार बनी तो पुलिस में महिलाओं की भर्ती के लिए ढांचागत बदलाव करेंगे : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 चुनाव को लेकर बड़ा वादा किया है। उन्होंने कहा कि अगर 2027 में यूपी में सपा की सरकार बनी तो पुलिस विभाग में महिलाओं की भर्ती के लिए हम ढांचागत बदलाव करेंगे। अखिलेश यादव रविवार को सपा मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सपा सांसद डिंपल यादव समेत पार्टी की अन्य महिला नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। अखिलेश यादव ने ईरान – इस्राइल युद्ध पर कहा कि भारत को दूसरे देशों में फंसे अपने नागरिकों को वापस लाना चाहिए। इस युद्ध में भारत को अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए लेकिन अगर मुश्किल वक्त में मित्र देश के साथ खड़े नहीं होते हैं तो यह हमारी विदेश नीति के साथ धोखा है। अच्छे समय पर सब मित्र होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जेपीएनआईसी बेचना चाहे तो तो बेच सकती है। हम खरीदना चाहते हैं। एलडीए वीसी को पार्टी की ओर से चिट्ठी भेजने के लिए कहा गया है।

मंदिर के चंदे पर कब्जा करने के लिए योजना बना रही है भाजपा

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा मंदिर के चंदे पर कब्जा करने के लिए नई योजनाएं बना रही है। धरती पर इतने मंदिर कभी भी नहीं तोड़े गए हैं जितने भाजपा राज में तोड़े गए हैं। बनारस में पुराने मंदिरों को तोड़ा गया है। वहीं, वेनिस समेत तमाम शहरों में पुरानी गलियों को संरक्षित किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

हर व्यक्ति को आधे घंटे योग करना चाहिए

लखनऊ, (संवाददाता)। हर व्यक्ति को आधे घंटे योग करना चाहिए। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। अच्छी सेहत के लिए योग बेहद जरूरी है। यह बातें बीकेटी स्थित रामसागर मिश्रा अस्पताल के सीएमएस डॉ. वीके शर्मा ने कही। बड़ी संख्या में डॉक्टर, नर्सिंग ऑफिसर्स, पैरामेडिकल एवं अन्य कर्मचारियों ने योग किया। डॉ. वीके शर्मा ने कहा कि योग से ब्लड प्रेशर व शुगर पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। दिल की बीमारियों से भी काफी हद तक बचा जा सकता है। योग प्रशिक्षिका उमा देवी ने बताया कि योग से मांसपेसियां मजबूत की जा सकती हैं। फेफड़े संबंधी बीमारियों में योग काफी कारगर है। योग से दवाओं की डोज में भी कमी आ सकती है। बलरामपुर अस्पताल की नई ओपीडी में योग विशेषज्ञ डॉ. नंदलाल यादव के साथ डॉक्टर व कर्मचारी ने योग किया। निदेशक डॉ. दिनेश कुमार, फिजीशियन डॉ. विष्णु कुमार, सीएमएस डॉ. एसके पांडेय, एमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने भी योग किया। लोकबंधु अस्पताल में ऑर्ट ऑफ लिविंग की प्रशिक्षिका प्रियंका ने सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, ध्यान सत्र का संचालन किया। अस्पताल की निदेशक डॉ. संगीता गुप्ता, सीएमएस डॉ. राजीव दीक्षित, एमएस डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी आदि रहे। सीएमओ कार्यालय में सीएमओ डॉ. एनबी सिंह के नेतृत्व में योग किया गया। सीएमओ ने कहा कि योग एक प्राचीन भारतीय जीवन पद्धति है। इसको जीवन में अपनाकर कई शारीरिक और मानसिक दिक्कतों को दूर किया जा सकता है। इस मौके पर एसीएमओ डॉ. बीएन यादव, डॉ. एमएच सिद्दीकी, डॉ. गोपीलाल, डॉ. निशांत निर्वाण, डॉ. रवि पांडेय, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी, डीपीएम सतीश यादव आदि रहे।

दरोगा ने उल्टी दिशा से दौड़ाई कार, विरोध पर कर्नल को पीटा, पैर पर चढ़ाई गाड़ी

लखनऊ, (संवाददाता)। पीजीआई इलाके में शनिवार सुबह उल्टी दिशा से जा रहे दरोगा की कार हरदोई के बिलग्राम निवासी कर्नल आनंद प्रकाश सुमन की गाड़ी से टकराने से बच गई। कर्नल ने यातायात नियम तोड़ने पर दरोगा को टोका तो उनसे गाली–गलौज करते हुए कर्नल को कई थप्पड़ जड़ दिए। इसके बाद उनके पैरों पर गाड़ी चढ़ाते हुए भाग निकला। मामले में आरोपी दरोगा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आनंद प्रकाश पटना में आर्मी के एनसीसी डायरेक्टरेट में कर्नल के पद पर तैनात हैं। उनके मुताबिक कुछ दिन पहले गांव में रह रहीं उनकी भाभी की मृत्यु हो गई थी। ऐसे में वह पत्नी मधु और बेटी के साथ गांव आए आए थे। वहां से वह आशियाना के रश्मिखंड निवासी सैन्यकर्मी बड़े भाई दिलीप सुमन के घर गए थे। शनिवार सुबह 9रू30 बजे वह कार से पत्नी, बेटी और भतीजी के साथ पटना के लिए निकले थे। तभी तेलीबाग चौराहे से पीजीआई की ओर मुड़ने के दौरान उल्टी दिशा से गाड़ी से वर्दीधारी दरोगा अचानक से उनके सामने आ गया। इस पर कर्नल ने हादसा बचाने के लिए कार में ब्रेक मार दी। इससे कर्नल की कार में पीछे से ऑटो टकरा गया।

आज इन 53 जिलों में होगी भारी बारिश, अब तक 11 फीसदी अधिक हुई बरसात

लखनऊ, (संवाददाता)। बीते तीन दिनों की तरह ही रविवार को भी प्रदेश में मौसम बदला–बदला नजर आया। लखनऊ में शनिवार देर रात हल्की बारिश हुई तो सुबह से काले घने बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने 50 से अधिक जिलों में आज भारी बारिश की घोषणा की है। इसके पहले दक्षिणी उत्तर प्रदेश में शनिवार को जमकर बारिश हुई, जिससे तापमान में और गिरावट महसूस की गई। बारिश के मामले में सोनभद्र सबसे आगे रहा जहां 136 मिमी. बारिश दर्ज की गई। दूसरे नंबर पर श्रावस्ती में 110.2 मिमी. बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को पूर्वी और मध्य यूपी में भी जमकर बारिश होने की संभावना है। बारिश का यह सिलसिला अभी आगे भी जारी रहने के आसार जताए जा रहे हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार को पूरे उत्तर प्रदेश में औसतन 5.6 मिमी. बारिश हुई। रविवार को इससे अधिक बारिश की संभावना है। उन्होंने बताया कि एक जून से 21 जून तक प्रदेश में कुल 50.5 मिमी. बारिश हो चुकी है। यह सामान्य बारिश 45.6 मिमी. के सापेक्ष 11 प्रतिशत ज्यादा है। अतुल

कुमार सिंह के अनुसार, बारिश का यह क्रम रविवार के अलावा आगे भी जारी रहेगा। पूर्वी और मध्य यूपी में रविवार को भारी बारिश होने के आसार हैं। तापमान में गिरावट से मौसम सुहावना बना रहेगा।

इन जिलों में बहुत भारी वर्षा होने के लिए ऑरेंज अलर्ट बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुर, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं जालौन, हमीरपुर, महोवा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में।

इस वजह नहीं हुए हैं इन चार जिलों में अध्यापकों के तबादले, शासन ने दी सफाई उठे थे सवाल

लखनऊ, (संवाददाता)। शिक्षक–छात्र अनुपात सुधारने के लिए चल रही कवायद के बीच प्रदेश के 15 जिलों में शिक्षकों के तबादले की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इनमें से बेसिक शिक्षा विभाग ने 11 जिलों का तो डाटा जारी कर दिया है, लेकिन चार जिलों को लेकर ऊहापोह की स्थिति थी। अब विभाग ने स्पष्ट किया है कि शिक्षक–छात्र अनुपात न बिगड़े, इसलिए इन चार जिलों में तबादले नहीं किए गए। प्रदेश में करीब दो साल बाद एक से दूसरे जिले में सामान्य तबादले की प्रक्रिया शुरू की गई थी। लेकिन, शिक्षकों की अपेक्षा के विपरीत सिर्फ 15 जिलों में ही तबादले की वैकेंसी जारी की गई थी। यानी इन 15 जिलों में जहां शिक्षकों की जरूरत थी। इसके लिए सभी जिलों से शिक्षक आवेदन कर सकते थे। हाल में विभाग ने बताया कि 11 जिलों में 543 शिक्षकों को तबादला मिला है। श्रावस्ती में किसी ने तबादला नहीं मिला। पर, बांदा, हमीरपुर, जालौन व ललितपुर के तबादलों पर विभाग ने मौन साध लिया था। इसे लेकर शिक्षक विभाग की मंशा पर सवाल उठा रहे थे। विभाग का कहना है कि जालौन व ललितपुर में काफी संख्या में शिक्षकों के आवेदन हुए थे। अगर इन सभी के तबादले कर दिए जाते तो संबंधित जिलों में शिक्षक–छात्र अनुपात प्रभावित होता। हालांकि, शिक्षकों को विभाग की यह बात इसलिए नहीं पच रही है कि इन जिलों में कुछ शिक्षकों के तबादले तो किए ही जा सकते थे। इस पर विभाग के निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने कहा कि जब सामान्य तबादले की प्रक्रिया शुरू की गई थी। तभी यह स्पष्ट किया गया था कि अगर किसी जिले में शिक्षक–छात्र अनुपात प्रभावित होगा तो वहां के शिक्षकों को तबादला नहीं दिया जाएगा। इन चार जिलों में जहां से शिक्षक आ रहे थे, वहां का शिक्षक–छात्र अनुपात प्रभावित होता। इसीलिए यहां किसी का तबादला नहीं किया गया। श्रावस्ती में किसी शिक्षक ने स्वेच्छा से तबादला नहीं लिया है।

24 तक कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा

विभाग ने एक से दूसरे जिले में तबादला पाए शिक्षकों को अनिवार्य रूप से 24 जून तक कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। अगर किसी के खिलाफ कोई जांच चल रही है तो उसे कार्यमुक्त नहीं किया जाएगा। शिक्षक जिस जिले में तबादला पाए हैं, वहां वह शिक्षकों की वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे होंगे। उनसे इसके लिए शपथपत्र भी लिया जाएगा।

शिक्षामित्रों का डाटा अपडेट करने के निर्देश

शिक्षकों के साथ ही जल्द शिक्षामित्रों को उनके मूल विद्यालय वापसी की प्रक्रिया शुरू होनी है।

संक्षिप्त खबरें

एकेटीयू में प्रोटोटाइप एक्सपो में छात्रों के नवाचार का प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में छात्रों के बनाए गए प्रोटोटाइप नवाचार का शनिवार को प्रदर्शन किया गया। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय व प्रति

कुलपति प्रो. राजीव कुमार ने छात्रों के प्रोटोटाइप नवाचारों को देखा और उनकी सराहना की। छात्रों ने यह प्रोटोटाइप ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग और एरा फाउंडेशन की ओर से कलाम प्रगति कार्यक्रम के तहत रोबोटिक्स और इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग में तीन महीने का प्रशिक्षण को प्राप्त कर बनाया है। छात्रों की 60 टीमों ने प्रोटोटाइप मॉडल को बनाया। कार्यक्रम में डीन ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रो. नीलम श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी सिंह आदि उपस्थित थे।

सगाई के बाद भी बहन को कर रहा था परेशान

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में ठाकुरगंज के राधाग्राम निवासी निजी चालक कृष्णा गुप्ता (25) की हत्या उनकी प्रेमिका के भाई ने तीन साथियों के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने शुक्रवार रात चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपियों के मुताबिक, प्रेमिका की सगाई होने के बाद भी कृष्णा उसे परेशान कर रहे थे। इसी वजह से उनकी हत्या की गई। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में युवती का भाई राधाग्राम निवासी मोनू उर्फ संजय यादव और छठा मील मुस्लिम नगर निवासी राजा, नौबस्ता का मो. आमिर व जानकीपुरम विस्तार निवासी शरीफ है। मोनू को पुलिस ने पहले से हिरासत में ले लिया था, जबकि तीन आरोपियों को इंजीनियरिंग कॉलेज पुल के नीचे से शुक्रवार रात पकड़ा गया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल लोहे की रॉड, ब्लेड और पाना बरामद कर लिया गया है। चारों आरोपी टैक्सी चालक हैं। गले पर ब्लेड के कट व सिर के पीछे चोट का निशान था इंस्पेक्टर ने बताया कि कृष्णा का शव बीते बुधवार को सुबह घैला पुल के पास अर्धनग्न हालत में मिला था। उनके गले पर ब्लेड के कट व सिर के पीछे चोट का निशान था। बृहस्पतिवार को ठाकुरगंज निवासी सूरज गुप्ता ने शव की पहचान अपने छोटे भाई कृष्णा के रूप में की थी। सूरज ने मोनू पर हत्या का आरोप लगाते हुए मड़ियांव थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। वसंतकुंज हरिनगर योजना के पास की थी हत्या घैला चौकी प्रभारी अमित साहू के मुताबिक, आरोपी मोनू ने बताया कि कृष्णा का उसकी बहन से प्रेम–प्रसंग था। बहन की सगाई होने के बाद से उसने कृष्णा से दूरी बना ली थी।

विरोध पर कर्नल को पीटा पैर पर गाड़ी चढ़ाकर फरार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में पीजीआई इलाके में शनिवार सुबह उल्टी दिशा से जा रहे दरोगा की कार हरदोई के बिलग्राम निवासी कर्नल आनंद प्रकाश सुमन की गाड़ी से टकराने से बच गई। कर्नल ने यातायात नियम तोड़ने पर दरोगा को टोका तो उनसे गाली–गलौज करते हुए कर्नल को कई थप्पड़ जड़ दिए। इसके बाद उनके पैरों पर गाड़ी चढ़ाते हुए भाग निकला। मामले में आरोपी दरोगा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आनंद प्रकाश पटना में आर्मी के एनसीसी डायरेक्टरेट में कर्नल के पद पर तैनात हैं। उनके मुताबिक कुछ दिन पहले गांव में रह रहीं उनकी भाभी की मृत्यु हो गई थी। ऐसे में वह पत्नी मधु और बेटी के साथ गांव आए आए थे। वहां से वह आशियाना के रश्मिखंड निवासी सैन्यकर्मी बड़े भाई दिलीप सुमन के घर गए थे। शनिवार सुबह 9रू30 बजे वह कार से पत्नी, बेटी और भतीजी के साथ पटना के लिए निकले थे। दोनों पैरों पर गाड़ी चढ़ाकर सिग्नल तोड़ते हुए भाग गया

इसी समय तेलीबाग चौराहे से पीजीआई की ओर मुड़ने के दौरान उल्टी दिशा से गाड़ी से वर्दीधारी दरोगा अचानक से उनके सामने आ गया। इस पर कर्नल ने हादसा बचाने के लिए कार में ब्रेक मार दी। इससे कर्नल की कार में पीछे से ऑटो टकरा गया। कर्नल का आरोप है कि उन्होंने दरोगा को टोका तो उसने उन्हें थप्पड़ मारे और गाड़ी उनके दोनों पैरों पर चढ़ाकर सिग्नल तोड़ते हुए चला गया।

आरोपी दरोगा के खिलाफ केस दर्ज

आनंद की पत्नी के मुताबिक घटना में पति जख्मी हो गए। उनका अस्पताल में उपचार कराया गया। पत्नी का आरोप है कि घटना के समय कई पुलिसकर्मी गुजरे, लेकिन किसी ने आरोपी दरोगा को रोकने का प्रयास नहीं किया। एडिशनल इंस्पेक्टर पीजीआई विनोद कुमार पांडे के मुताबिक कर्नल के बड़े भाई की तहरीर पर आरोपी दरोगा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दरोगा की तलाश की जा रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने योग से दिया निरोगी स्वास्थ्य का संदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय ने संबद्ध जिलों के महाविद्यालयों में और परिसर में 51 हजार से अधिक लोगों के साथ योग कर कीर्तिमान बनाया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि योग भारत की प्राचीन पद्धति है। आज पूरा विश्व इसे अपना रहा है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल परिसर में शिक्षकों व अधिकारियों के साथ योगाभ्यास किया। – डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. संजय सिंह की अध्यक्षता में योगाभ्यास का कार्यक्रम हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री के भाषण का सजीव प्रसारण हुआ। – नेशनल पीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो. देवेंद्र सिंह ने छात्रों शिक्षकों के योग किया। अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज में योगाभ्यास और वेबिनार हुआ। जय नारायण मिश्रा केकेसी पीजी कॉलेज में उप प्राचार्य प्रो. केके मिश्रा के नेतृत्व में छात्रों ने योग किया। शिया पीजी कॉलेज में बड़ी संख्या में छात्रों ने योग किया। कृष्णा देवी गर्ल्स कॉलेज में प्राचार्य प्रो. सारिका दुबे के साथ छात्राओं ने योगाभ्यास किया। कालीचरण पीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय ने कॉलेज के छात्रों और खिलाड़ियो के साथ योगाभ्यास किया। एमिटी यूनिवर्सिटी में भी योगाभ्यास कार्यक्रम हुआ।

योग से दिया निरोगी होने का संदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को राजधानी में सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों के साथ ही पार्कों, घरों, अपार्टमेंटों और शिक्षण संस्थाओं में योगाभ्यास का आयोजन कर निरोगी होने का संदेश दिया गया। बच्चों और युवाओं के साथ बुजुर्गों ने भी विभिन्न आसनों के जरिये योग की महत्ता को उजागर किया। योग गुरुओं की अगुवाई में शहर के लाखों लोगों ने जगह–जगह योगाभ्यास किया गया। शहर के 200 से ज्यादा पार्कों में सुबह से ही योगाभ्यास करने के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंच गए थे। ज्यादातर पार्कों में सामाजिक संगठनों और रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी की ओर से योगाभ्यास कराया गया। इसके अलावा विश्वविद्यालयों, स्कूलों–कॉलेजों, चिकित्सा संस्थानों और अस्पतालों में भी बड़े पैमाने पर योग शिविर का आयोजन किया गया। व्यापारी संगठनों ने भी अलग–अलग क्षेत्रों में योगाभ्यास के कार्यक्रम किए। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी और भारतीय आदर्श योग संस्थान की ओर से योग समागम के आयोजन के साथ ही विश्व संगीत दिवस भी मनाया गया। अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत, निदेशक डॉ. शोभित नाहर और उपाध्यक्ष विभा सिंह व अन्य कर्मचारियों ने योगाचार्य कृष्णदत्त मिश्र के निर्देशन में सामूहिक रूप से योग किया। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर उसी मंच से ईश्वर की स्तुति की गई। संगीत को योग से जोड़ते हुए कमला कांत, राहुल अवस्थी, अकादमी उपाध्यक्ष विभा सिंह और उस्ताद गुलशन भारती ने भजनों की प्रस्तुति दी। तबले पर डॉ. राजीव शुक्ला व डॉ. पवन तिवारी ने संगत की। लाइव पेंटिंग में दर्शाए योग के फायदे ललित कला अकादमी के अलीगंज स्थित क्षेत्रीय केंद्र में योग प्रशिक्षक डॉ. अनिल प्रकाश ने वीथिका में योग अभ्यास कराया। इस दौरान लाइव पेंटिंग के जरिये योग के फायदे दर्शाए गए। चित्रकार अमित कुमार ने लाइव पेंटिंग के डिमॉन्स्ट्रेशन में दिखाया कि योग से शरीर, मन और मस्तिष्क को स्वस्थ किया जा सकता है। क्षेत्रीय सचिव डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी, राज्य ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा, वेणु गोपाल पाराशर समेत केंद्र में कार्यरत कलाकारों व कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया। उत्तराखंड महापरिषद के तत्वावधान में पं. गोविंद बल्लभ पंत सांस्कृतिक उपवन गोमती तट पर योग गुरु महेंद्र सिंह नेगी ने प्रतिभागियों को प्राणायाम, योगासन और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। महापरिषद के अध्यक्ष हरीश चंद पंत, महासचिव भरत सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

खुशियों की पाठशाला में दिखी बच्चों की कल्पना शक्ति

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य संग्रहालय में शनिवार सुबह 11 बजे संस्कृति विभाग की ओर से खुशियों की पाठशाला का आयोजन किया गया। इसमें 50 स्कूली बच्चों ने क्ले पॉटरी (मिट्टी के बर्तन पर चित्रण) करना सीखा। बच्चों ने कल्पना शक्ति का प्रदर्शन किया। संग्रहालय की सहायक निदेशक डॉ. मीनाक्षी खेमका ने प्रतिभागियों को टेराकोटा के बारे में समझाया। प्रदर्शक व्याख्याता डॉ. अनीता चौरसिया ने बच्चों को वीथिका भ्रमण कराया। एक पौधा मां के नाम 2.0 कार्यक्रम के तहत बच्चों ने पौधरोपण किया। मौके पर आयुषी कुमारी, महावीर सिंह चौहान, शारदा प्रसाद त्रिपाठी, आदि मौजूद रहे।

आईटीआई में शुरू होंगे इंडस्ट्री आधारित कोर्स

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के सभी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में अब उद्योगों की मांग के अनुरूप इंडस्ट्री आधारित दीर्घकालीन कोर्स संचालित किए जाएंगे। व्यावसायिक शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर सभी आईटीआई संस्थानों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए हैं। नए कोर्सों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, सोलर प्लांट, ड्रोन पायलट जैसी आधुनिक तकनीकों पर आधारित प्रशिक्षण शामिल होंगे। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) के अनुसार, आईटीआई संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है। यहां आधुनिक मांग के आधार पर प्रयोगशालाएं बनाईं जा रहीं हैं। पुरानी तकनीकों वाले कोर्सों को हटाकर आधुनिक और उपयोगी कोर्स शामिल किए जाएंगे। खास बात यह है कि दो साल के लंबे कोर्स के साथ–साथ अब छह महीने के शॉर्ट टर्म कोर्स भी अधिक संख्या में चलाए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण मिल सके।राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य राजकुमार यादव ने बताया कि नए सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्र अब नियमित दो वर्षीय कोर्स के साथ साथ दीर्घकालीन तकनीकी कोर्सों में भी नामांकन ले सकेंगे।

टाटा के सहयोग से करीब 12 दीर्घकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में मिलेगा प्रवेश

राजकीय आईटीआई में टाटा के सहयोग से करीब 12 दीर्घकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलेगा। इनमें एडवांस सीएनसी मशीनिंग, बेसिक डिजाइन वर्चुअल वेरिफायर, मशीन इलेक्ट्रिक व्हीकल, इंड्रस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स टेक्नीशियन, मशीनिस्ट, मोटर व्हीकल, ड्रोन पायलट, ड्रोन टेक्नीशियन, प्लंबर, सीएएम प्रोग्रामर, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस कंट्रोल एंड आटोमेशन, आर्टिशियन यूजिंग एडवांस टूल, थ्री पेंटिंग व इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नीशियन जैसे कोर्स शामिल हैं।

लिवइन पार्टनर की प्रताड़ना से परेशान होकर प्रॉपर्टी डीलर ने दी थी जान

लखनऊ, (संवाददाता)। ठाकुरगंज के हरिनगर निवासी प्रॉपर्टी डीलर आशीष त्रिपाठी (45) की आत्महत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। उनकी पत्नी शालिनी त्रिपाठी ने पति की लिवइन पार्टनर हरदोई के अतरौली नारायणपुर निवासी सुनीता शुक्ला पर पति को आत्महत्या के उकसाने का केस ठाकुरगंज थाने में दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज श्रीकांत राय ने बताया कि गत 14 जून को आशीष ने घर में फंदा लगाकर जान दे दी थी। मामले में शुक्रवार को उनकी पत्नी शालिनी ने सुनीता के खिलाफ पति को प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया।

विधायक निधि से महापुरुषों के नाम पर जिले पर बनेंगे पांच द्वार - वेद गुप्ता

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। भगवान राम की नगरी अयोध्या अध्यात्म व मर्यादा की रश्मि को वैश्विक स्तर पर प्रकाशित करती है। भारतीयों के लिए पथ प्रदर्शक महापुरुषों की स्मृति अयोध्या आने वाले तीर्थयात्रियों व पर्यटको को ताजा

करने की योजना पर काम चल रहा है।इसके लिए अयोध्या आने वाले प्रमुख मार्गो पर पांच द्वार बनाए जा रहे है।अयोध्या विधायक की निधि से बनने वाले यह द्वार सरदार पटेल, अटल बिहारी वाजपेई, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अशोक सिंहल व महाराजा अग्रसेन के नाम पर होंगे।विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले महापुरुषों की स्मृतियां अयोध्या आगमन पर तीथ 'यात्रियों व श्रद्धालुओं को ताजा हो जाएगी।इसके लिए अयोध्या अम्बेडकरनगर मार्ग में पड़ने वाली बाकरगंज बाजार में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार बनाया जाएगा। अयोध्या गोण्डा मार्ग पर पेट्रोल पम्प के पास अटल बाजपेई द्वार का निर्माण होगा। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार की लागत 16.57 लाख रुपये आएगी। जिसके तहत 9.42 लाख रुपये की प्रथम किश्त अवमुक्त की जा चुकी है। अटल बिहारी वाजपेयी द्वार की लागत 17. 17 लाख आएगी। जिसकी प्रथम किश्त के रुप में 10.302 लाख की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है।उन्होंने बताया कि अयोध्या रायबरेली मार्ग पर मऊशिवाला के पास पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वार का निर्माण कराया जाएगा। इसकी लगात 17.18 लाख आएगी। इसके साथ में अयोध्या लखनऊ मार्ग पर सहादतगंज में अशोक सिंहल द्वार का निर्माण होगा। इसकी भी लगात 17.18 लाख आएगी। अयोध्या प्रयागराज मार्ग पर लगड़ा चौकी पर महाराजा अग्रसेन द्वार का निर्माण कराया जाएगा। इसकी लागत 8.64 लाख आएगी।जिले में दो बारातघर का निर्माण चल रहा है व पर्यटन सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि रामकोट में हनुमानगढ़ी मंदिर के पास ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थल का सौन्दर्यीकरण कार्य चल रहा है। जिसकी लागत 16.86 लाख है। रामकोट वार्ड में हनुमानगढ़ी मंदिर के पास मुंडन स्थल का 15.31 लाख की लागत से निर्माण चल रहा है।ग्राम पंचायत ऐमी आलापुर में बारातघर का निर्माण व कृष्णानगर वार्ड में बारातघर का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसकी लागत 25–25 लाख है। फिरोजपुर में चौपाल निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया है। जिसकी लागत 10. 60 लाख है। उन्होंने बताया कि चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग में ब्लाक पूरा के ग्राम सभा खानपुर के मजरा पुनहद में स्थित बंधू बाबा का कुंड स्थित है। इसका संचालन करने वाले ट्रस्ट ने कुंड के जलकुंभी से भरे होने की जानकारी देते हुए इसके सौन्दर्यीकरण की मांग किया था।जिसके के लिए प्रयास किया जाएगा।

आप पार्टी गांव–गांव स्कूलों में चलाएगा हस्ताक्षर अभियान स्कूलों के दरवाजों पर बांधा जाएगा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश सरकार ने 16 जून 2025 को एक महत्वपूर्ण शासनादेश जारी किया है। इसके तहत कम छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों का बड़े विद्यालयों में विलय किया जाएगा। विलय के लिए कोई न्यूनतम छात्र संख्या निर्धारित नहीं की गई है। 50 से 100 छात्रों वाले स्कूल भी इस प्रक्रिया में शामिल होंगे। पहले 27 हजार स्कूलों के विलय का अनुमान था। अब यह संख्या बढ़कर 50 हजार तक पहुंच सकती है। इस निर्णय से प्रदेश के 1.35 लाख सहायक शिक्षक और 27 हजार प्रधानाध्यापकों के पद समाप्त हो सकते हैं। शिक्षामित्रों की नौकरी भी इससे प्रभावित होगी। आम आदमी पार्टी ने इस आदेश को शिक्षा का अधिकार कानून का उल्लंघन बताया है। आरटीई एक्ट के अनुसार एक किलोमीटर की सीमा में विद्यालय होना आवश्यक है। इस कानून में परिवर्तन केवल विधायिका के माध्यम से किया जा सकता है।

इस मामले में पत्रकारों से बात करते हुए

आप पूर्वांचल प्रभारी डॉ. अनुराग मिश्र ने स्कूल बचाओ अभियान की घोषणा की है। इसके तहत गांव–गांव में मंगलवार से स्कूलों में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। स्कूलों के दरवाजों पर रक्षा सूत्र बांधा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2024 में 27,308 शराब की दुकानों के लिए लॉटरी निकाली गई थी। इसमें 4.18 लाख आवेदन प्राप्त हुए। प्रोसेसिंग फीस से सरकार को 2000 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई। अक्टूबर 2024 में योगी सरकार ने 50 से कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को बंद करने की योजना बनाई थी। आम आदमी पार्टी ने इसका विरोध किया था। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सरकार की आलोचना की थी। राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में प्रदेश व्यापी आंदोलन हुआ था। इस दबाव में बेसिक शिक्षा विभाग ने इस खबर को निराधार बताया था।

घटिया निर्माण कार्य को लेकर नगरवासियों ने किया प्रदर्शन

मानक को ताख पर रखकर कराया जा रहा सीसी रोड़ निर्माण का कार्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।जिले का नगर पंचायत कजगांव के माधोपट्टी वार्ड में सीसी रोड़ निर्माण कार्य चल रहा है।जो पुरी तरह से मानक के विपरित बनवाया जा रहा है।जिसको लेकर नगरवासियों ने जमकर प्रदर्शन किया।बता दें कि एक बार फिर नगर पंचायत कजगांव अपने कारनामा के चलते चर्चा में आ गय। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त नगर पंचायत के माधोपट्टी वार्ड में सीसी रोड़ निर्माण का कार्य चल रहा है।इस रोड़ को पुरी तरह से मानक के विपरीत बनता देखकर नगर वासियों ने सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता को देकर नगरवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया।बताया जाता हैं यह कि यह एक ऐसा नगर पंचायत है जो अपने कारनामा के चलते हमेशा चर्चा में बना रहता है।मानक के अनुसार न रहने पर नगरवासियों ने प्रदर्शन किया। नगर वासियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मानक को ताख पर रखकर ठेकेदार द्वारा इस सीसी रोड़ का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस सीसी रोड़ के प्रति नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी सहित सभी जिम्मेदार कुम्भकर्णी निद्रा में लीन हैं।इस दौरान राधे श्याम गौतम,सुरज कन्नौजिया,आलोक मौर्य,अखिलेश यादव,सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

आने वाले पंचायत तथा यूपी विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ेगी आम जनता पार्टी सोशलिस्ट – मुकेश सिंह चौहान

लखनऊ। राजधानी में एसके आर्चिड अपार्टमेंट बाबू बिहारी मार्ग, नियर योजना भवन लखनऊ में आम जनता पार्टी, सोशलिस्ट के प्रादेशिक कार्यालय उत्तर प्रदेश का उद्घाटन हुआ। कार्यालय का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय सिंह चौहान ने किया। मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान भी मौजूद थे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग पार्टी के संगठन के लिए तन मन से लग जाइए एवं पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य कीजिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं इसीलिए आप लोगों का आवाहन करता हूं कि आने वाले पंचायती चुनाव से लेकर विधानसभा के चुनाव तक इतना परिश्रम कीजिए कि मिनी सदन एवं विधानसभा में पार्टी के सदस्य पहुंच कर गरीब जनता की सेवा कर उनके अधिकारों को दिला सके। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अध्यक्ष राजेश चौहान ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार हर मौके पर नाकाम साबित हो चुकी है प्रदेश में जंगल राज कायम है इस सरकार में एक महीने के अंदर प्रदेश में दर्जनों चौहान की हत्या हुई चौहान समाज अब चुप नहीं बैठेगा आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में आम जनता पार्टी सोशलिस्ट अपनी ताकत दिखयेगी और भाजपा को धूल चटाने का कार्य करेगी। राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव एडवोकेट ओंकार चौहान ने कहा कि वर्तमान सरकार गरीबों के बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है शिक्षा सामग्री पर जीएसटी लगाकर रोक लगाने का कार्य करता है जिससे गरीब के बच्चे सरकारी नौकरी से वंचित रहे। प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि मैं पूरे प्रदेश का दौरा करके सभी कार्यकर्ताओं से मिलकर पार्टी संगठन को मजबूत करने के कार्य करूंगा।

सीनियर सेल्स मैनेजर, सेल्स मैनेजर पद पर हुआ साक्षात्कार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में कीर्ति कुञ्ज ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड ने छात्रों को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए। इस अवसर पर कंपनी के एचआर मैनेजर श्री अश्विनी सिंह व श्रीमती रोशनी सिंह ने प्रतिभाग किया। प्लेसमेंट ड्राइव विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेल में आयोजित हुआ। उप समन्वयक सुशील कुमार ने बताया कि यह ड्राइव उन छात्रों के लिए भी था जो पिछले सप्ताह आयोजित रोजगार मेला दृ 2025 में प्रतिभाग नहीं कर सके थे। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. वंदना सिंह के मार्गदर्शन में प्लेसमेंट गतिविधियाँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं तथा आने वाले सत्र में भी कई प्रतिष्ठित कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्री–प्लेसमेंट टॉक से हुई, जिसमें कंपनी प्रतिनिधियों ने कंपनी प्रोफाइल, जॉब रोल, सैलरी, बोनस, कार्य समय और लोकेशन से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। छात्रों ने पूछे गए प्रश्नों का प्रतिनिधियों ने संतोषजनक उत्तर दिया। कंपनी ने सेल्स मैनेजर और सीनियर सेल्स मैनेजर पद के लिए साक्षात्कार लिया। चयन परिणाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सुशील कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कई छात्र–छात्राएं जैसे दिनेश चंद अस्थाना, मनु मिश्रा, सौम्या गुप्ता, दिनकर मौर्य आदि उपस्थित रहे।

बैठक मे बीएसए ने बीईओ सहित एसआरजी को दिये निर्देश

अयोध्या।सोमवार को बीएसए अवनीश कुमार पांडेय ने सभी विकासखंडों के बीईओ के साथ–साथ सभी जिला समन्वयको के साथ बैठक किया।इस बैठक में उन्होंने कई मुद्दों पर संबंधित अधिकारियों तथा समन्वयको से जानकारी हासिल किया।वही कुछ अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए।बैठक मे बीईओ अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिनके विकासखंडो में स्थित 30 50 से कम बच्चों वाले स्कूल है।सभी बीईओ उन स्कूलों का पेयरिंग करने का कार्य तेजी से करें और इस कार्य को करने के बाद सभी सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को अवगत

कराये।इसके अलावा डीबीटी कराने का कार्य करे।बैठक में उन्होंने सभी एबीएसए को निर्देश दिया कि सभी परिषदीय स्कूलों में विद्युतीकरण होना चाहिए।बताया कि अगर किसी को इसमें कोई परेशानी या अड़चन आ रही हो तो वह सीधे उनको सूचित करे।बैठक मे सभी बीईओ के अलावा एमडीएम प्रभारी अंकुर सिंह,जिला निर्माण समन्वयक जी एस पाण्डेय सहित सभी जिला समन्वयक अधिकारी मौजूद रहे।

सीटी स्कैन मशीन स्थापित होने से गरीब, कमजोर, असहाय लोगो को मिलेगी मदद : गिरीश चंद्र यादव राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव के द्वारा पूर्व सांसद केपी सिंह की उपस्थिति में अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत रुपए 1.56 करोड़ की लागत से स्थापित 32 स्लाइस सीटी स्कैन की मशीन का सोमवार को विधिवत पूजन कर तथा फीता काटकर लोकार्पण किया गया। राज्यमंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन स्थापित हो जाने से और मरीजों को सीटी स्कैन कराने हेतु किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नही करना पड़ेगा, उन्हे सीटी स्कैन कराने के लिए बाहर नहीं जाना होगा अब अस्पताल के भीतर ही सीटी स्कैन कराने की सुविधा उपलब्ध हो गयी है। मशीन स्थापित हो जाने से गरीब, कमजोर,असहाय लोगो को मदद मिलेगी। जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार आयेगा और बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं एक ही छत के नीचें मिल सकेंगी। जिला अस्पताल में निर्धारित शुल्क मात्र रु0 500 में ही सीटी स्कैन हो सकेगा। जनपद के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है। राज्यमंत्री जी ने कहा कि उनका हमेशा से प्रयास रहा है कि जिला चिकित्सालय में सभी प्रकार की चिकित्सकीय सुविधाए उपलब्ध हो इसके लिए भविष्य में भी चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के साथ ही समस्त मूलभूत सूविधाए उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होने बताया इस मशीन सीएसआर फंड से स्वीकृति दिलाने में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का अद्वितीय योगदान रहा है, जिसके लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने कहा कि जिला अस्पताल में यह सीटी स्कैन मशीन अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित है। उन्होन मा0 राज्यमंत्री जी को इस मशीन को उपलब्ध कराने पर उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके अथक प्रयास से यह कार्य सम्भव हो पाया है, जिससे आम जनमानस को निश्चित रूप से राहत मिलेगी। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश

दिया कि सुनिश्चित किया जाए की बाहर से सिटी स्कैन करने हेतु न लिखा जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में चिकित्सा व्यवस्था में त्रीव गति से सुधार हो रहा है। उन्होंने चिकित्सा विभाग से जुड़े अधिकारी,कर्मचारी सहित आम जनमानस को इसके लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डा0 शैफ खान ने किया। इस अवसर पर सीएसआर चीफ देवेन्द्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह, सीएमएस डॉ0 के.के. राय, प्रतिनिधि अजय सिंह, मनीष श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित रहे।

एसडीएम सोहावल की अध्यक्षता में तहसील टॉस्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

अयोध्या।सोमवार को एसडीएम सोहावल अभिषेक कुमार सिंह की अध्यक्षता में माह जुलाई में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई व दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई तथा संचारी रोगों एवं दिमाग की बुखार पर प्रभावी नियंत्रण कार्यवाही हेतु विभिन्न विभागों के कार्य एवं दायित्व का निर्धारण हेतु तहसील टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में ब्लॉक मोबिलाइजर कोऑर्डिनेटर यूनिसेफ ब्लॉक मसौधा धीरेंद्र नाथ पांडे द्वारा पिछले अभियान अप्रैल 2025 के इंटर डिपार्टमेंट के अभिमुखीकरण का फीडबैक शेयर किया गया।बताया कि ब्लॉक मसौधा में ब्लॉक टास्क फोर्स और तहसील ट्रांसपोर्ट की मीटिंग कराई गई थी साथ ही साथ 57 ग्राम प्रधानों में से 52 ग्राम प्रधान अभिमुखीकरण में उपस्थित हुए थे।ग्राम विकास अधिकारी 14 में से 13 उपस्थित हुए थे।सफाई कर्मी 79 के सापेक्ष 70 सफाई कर्मी उपस्थित हुए थे।वार्ड मेंबर नगर पंचायत भारत कुंड भद्रास में 18 वार्ड मेंबर में से 15 वार्ड सदस्य उपस्थित रहे।आंगनबाड़ी कार्यकत्री 212 में से 174 उपस्थित रही। साथ ही साथ 222 आशा में से 202 आशा बहू अभिमुखीकरण में एवं 133 नोडल टीचर में से 116 नोडल टीचर अभिमुखीकरण में उपस्थित रही।तहसील टॉस्क फोर्स की बैठक में अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा द्वारा बताया गया कि जुलाई 2025 अभियान हेतु नोडल अध्यापकों का संवेदीकरण 24 जून से 27 जून के मध्य कराया जाना है इसकी जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारी को सौपी गई है।स्थानीय निकायों पर नगर पंचायत भादरसा वार्ड सदस्यों का अभिमुखीकरण 26 जून 2025 को कराया जाना प्रस्तावित है।इसके उत्तरदायित्व अधिशासी अधिकारी की है।ब्लॉक स्तरीय ग्राम प्रधान ग्राम विकास अधिकारी सफाई कर्मी पंचायत सहायकों का अभिमुखीकरण 27 जून से 28 जून 2025 के मध्य कराया जाना प्रस्तावित है उत्तरदायित्व खंड विकास अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी पंचायत की है।वही दस्तक अभियान के संचालन हेतु ब्लॉक स्तर पर आशा बहू एएनम और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का संवेदीकरण ब्लॉक बार योजना बनाते हुए दिनांक 3

जुलाई 2025 से 8 जुलाई 25 के मध्य पूर्ण कर लिया जाना आवश्यक है।साथ ही साथ यह भी बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु ब्लॉक एवं जनपद स्तरीय माइक्रो प्लान की उपलब्धता 27 जून तक कर लिया जाना है।ब्लॉक मोबिलाइजर कोऑर्डिनेटर यूनिसेफ धीरेंद्र पांडेय ने बताया कि ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस जिन कंपोजिट विद्यालय पर आयोजित किया जा रहा है वहां के नोडल अध्यापक एक सेपरेट कैमरा या बरामदा की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे साथ ही साथ गर्भवती महिलाओं का यूरिन जांच हेतु शौचालय एक्टिव रहे उदासीन झिझक इनकार बच्चों को टीका लगवाने में नोडल अध्यापक अपना सहयोग प्रदान करें सभी की सहमति से तय हुआ कि इनकार उदासीन झिझक बच्चों की लिस्ट एक दिन पहले इंटर डिपार्टमेंट ग्रुप पर साझा किया जाएगा।अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल द्वारा स्टाफ डायरिया पर चर्चा किया गया आपने बताया कि 16 जून से 31 जुलाई तक यह अभियान चलेगा।जिसका थीम डायरिया की रोकथाम सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान।बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपकेंद्रों पर आंगनबाड़ी सेंट्रो पर ओआरएस और जिंक का कॉर्नर बनाया जाएगा सभी संबंधित विभाग को समुचित मात्रा में ओआरएस और जिंक की टेबलेट उपलब्ध करा दिया जाएगा।बैठक मे मैं एसडीएम सोहावल ने कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही ना बरती जाए।बैठक में आंगनवाड़ी विभाग, शिक्षा विभाग,पंचायत राज विभाग,नगर पंचायत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, राजस्व विभाग आदि अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संस्था जी.एस सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी (हेल्पिंग हैंडस ग्रुप) ने किया योग शिविर का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर संस्था जी.एस सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी(हेल्पिंग हैंडस ग्रुप), लखनऊ के द्वारा योग शिविर का आयोजन एल.डी.ए पार्क, राजाजीपुरम निकट राजकुमार एकेडमी, लखनऊ में आयोजित हुआ योग शिविर में भारी संख्या में बच्चों ने, महिलाओं और प्रबुद्ध जन ने बढ़ चढ़ कर हिसा लिया, कार्यक्रम की शुरुआत अमर पांडे और निधि के मार्गदर्शन में हुआ,योग शिविर में प्रशिक्षण ज्ञानकारी देकर योग के बारे में सबको बताया गया, कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक संतोष श्रीवास्तव और विनय तिवारी रहे, जिनके सानिध्य में कार्यक्रम की शुरुआत हुई, मुक्तिनाथ झा ने योग से लाभ के बारे में सबको बताया और रामराज सोनकर और दीनबंधु पाण्डेय ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहयोग दिया,

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से सर्वश्रीमती सुभा श्रीवास्तव, बीना गुप्ता (पूर्व पार्षद)ममता कनोजिया, मधु पराशर,इशिका सिंह,सरला सोनी,किरण राणा,नीलमजी सर्वश्री गोपी कृष्ण,रामजी गुप्ता, दिलीप पाण्डेय, अमित जायसवाल, आशीष सिंह, नवाब साहब,सफीक भाई, अली भाई, अवधेश भैया, संजय भैया, संदीप भैया और भारी संख्या में बच्चों और बुजुर्गों ने हिस्सा लिया. ।संस्था की ओर से सभी उपस्थित लोगों को मट्ठा, विस्कुट, केला और पानी का पाउच दिया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।